भा कृ अनु प – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, कोलकाता केंद्र में राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस-2023 का आयोजन

भा कृ अनु प – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, कोलकाता केंद्र ने 10 जुलाई 2023 को पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों के मछली किसानों के साथ राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस मनाया। उद्घाटन सत्र में डॉ. जी.एच. पैलान, प्रभारी अधिकारी, कोलकाता केंद्र ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, किसानों का स्वागत किया और इस विशेष दिन के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि पूर्व लोकसभा सदस्य डॉ. सुजन चक्रवर्ती थे। प्रो. तपन कुमार मंडल, पूर्व उपाध्यक्ष, कुलपति , पश्चिम बंगाल पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता और डॉ. प्रदीप डे, निदेशक, आईसीएआर-अटारी, कोलकाता सम्मानित अतिथि थे। डॉ. सुजन चक्रवर्ती ने अपने उद्घाटन भाषण में छोटे और सीमांत किसानों द्वारा मछली उत्पादकता बढ़ाने के लिए कौशल और ज्ञान आधारित खेती पर जोर दिया। उन्होंने प्राकृतिक मछली पालन को अपनाने का भी आग्रह किया ताकि पर्यावरण और जैव विविधता बहाल हो और देशी मछली प्रजातियों की रक्षा की जा सके। उन्होंने देश के मछली उत्पादन में छोटे किसानों के योगदान की सराहना की और उन्होंने आधुनिक प्रौद्योगिकियों और उनके संलयन के साथ-साथ हमारे समृद्ध पारंपरिक ज्ञान का उपयोग करने का सुझाव दिया।

उत्पादकता बढ़ाने के लिए. प्रोफेसर तपन कुमार मंडल ने मछली उत्पादन और उत्पादकता पर पर्यावरणीय चिंता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आधुनिक जलीय कृषि में कुछ चिंताओं जैसे बढ़ते जल प्रदूषण, रासायनिक उपयोग आदि पर प्रकाश डाला, जो जलीय कृषि प्रणाली की प्राकृतिक उत्पादकता में बाधा डाल रहे हैं।

डॉ. प्रदीप डे ने भी मत्स्य किसान दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला, और वैज्ञानिक मछली पालन को अपनाने के लिए तथा मत्स्य किसानों की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने आजीविका सुधार और ग्रामीण विकास के लिए एकीकृत कृषि प्रणालियों के महत्व का भी वर्णन किया। खुली चर्चा में किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और मछली और मत्स्य पालन से संबंधित विभिन्न मुद्दों को उठाया। कार्यक्रम में लगभग 30 किसानों ने भाग लिया और अपनी सफलता की कहानियाँ साझा कीं। जलीय कृषि और मत्स्य पालन के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि और सफलता के लिए तीन प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। संस्थान परिसर में प्रदर्शनी एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आईसीएआर-सीआईएफई, कोलकाता केंद्र और दो इनपुट कंपनियों (एबीआईएस फीड और रैलिस इंडिया लिमिटेड) ने प्रदर्शनी में भाग लिया और मछली पालन से संबंधित अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पी. सरदार के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।